TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, शुक्रवार 21 अप्रैल 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :09 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

संक्षेप

खुशी व बासु ने जीता अमेरिकी कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष का चुनाव

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के रहने वाले खुशी चिंडालिया और बासु सिंह ने अमेरिका के बाबसन कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष चुनाव जीत कर इतिहास रचा है। खुशी ने अंडर ग्रेजुएट और बासु ने ग्रेजुएट छात्रसंघ में यह पद हासिल किया। 104 वर्ष पुराने इस कॉलेज में पहली बार दो भारतीयों ने एक साथ यह पद पाए हैं।

सूरत की रहने वालीं 20 साल की खुशी ने बाबसन कॉलेज में करीब 2.5 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त की है। पूरी दुनिया में केवल 10 छात्रों को यह छात्रवृत्ति मिलती है, जिनमें खुशी इकलौती भारतीय थीं।

26 साल के बासु सिंह पटना के रहने वाले हैं और बाबसन कॉलेज में सोशल इनोवेशन विद्यार्थियों के तौर पर एमबीए कर रहे हैं।

विश्व में चावल का संकट

नई दिल्ली एजेंसी। दुनिया के अनेक हिस्सों में चावल का उत्पादन लगातार गिर रहा है। इस सूची में चीन से लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ तक शामिल हैं। यह वैश्विक चावल बाजार में दो दशकों में सबसे बड़ी कमी है। संकट की वजह चीन में खराब मौसम और रूस–यूक्रेन युद्ध को बताया जा रहा है। इसके चलते दुनियाभर में चावल की कीमतें बढ़ रही हैं।

चावल दुनिया के सबसे अधिक खेती वाले अनाजों में से एक है। फिच सॉल्यूशंस की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक विश्व के सबसे बड़े चावल उत्पादक देश चीन, अमेरिका, यूरोपीय संघ में इस अनाज का उत्पादन तेजी से घटा है। फिच सॉल्यूशंस के कमोडिटी एनालिस्ट चार्ल्स हार्ट के मुताबिक, चावल बाजारों में 1.86 करोड़ टन की कमी हुई है।

एक मुलाकात स्वयं से

व्यक्ति जब जन्म लेता है उस वक्त पूरी तरह से जीवन से अनजान होता है इतना अनजान की उसे यह भी ज्ञात नहीं होता की परिवार,समाज उस किस नजरिए से देखा रहा है और उनकी उससे क्या क्या अपेक्षाए है। शनै शनै बचपन की उम्र प्रारंभ होती है और शारीरिक विकास के साथ साथ उसे बार बार उसके शरीर, व्यवहार, अभिव्यक्ति, प्रतिक्रिया के साथ साथ उसके जन्म के मूल उद्देश्य से हटाकर उसकी पहचान जिम्मेदारी, परम्परा, रीति रिवाज और अपेक्षाओं से करवाने का क्रम प्रारंभ होता है, कुछ इसमें सफल होते हैं, कुछ इसे अपनी नियति मानकर आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं, कुछ असफल हो कर हार मान लेते हैं और कुछ विद्रोह करके अपनी पहचान समझने का प्रयास करते हैं। इस तरह की सभी अभिव्यक्ति व प्रतिक्रिया व्यक्ति को उसकी पहचान स्थापित करने में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन करती है, परन्तु स्वयं को समझ कर जीवन जीने की यह प्रक्रिया क्या सही है,? स्वयं के मूल स्वरूप को भूलकर दूसरो का अवलोकन कर जीने की यह प्रक्रिया क्या सही है ? ऐसे कई सवाल होंगे क्या आप उनका समाधान चाहते हैं तो सम्पर्क करें या हमें लिखें: 7000570023

कार्यालय पता–लोक पहल, मुमुक्षु आश्रम बरेली मोड़, शाहजहाँपुर–242 001 (उ.प्र.)

राजनीतिक दलों पर रखें नजर नहीं तो देश लुट जायेगा: मोदी

■ लोक सेवा दिवस पर प्रधानमंत्री ने किया अधिकारियों को सम्मानित

■ रामपुर व चित्रकूट के डीएम को मिला सम्मान

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की सबसे बड़ी सेवा के सेवा दिवस के अवसर पर कहा कि देशवासियों की उम्मीदों को पूरी करने के लिए तेजी से निर्णय लेने होंगे। हमें उन्हें पूरा करना होगा। हमें पूरा सामर्थ से जुटना होगा, तेजी से निर्णय होंगे, उन निर्णयों को उतने ही तेजी से लागू करना होगा। भारत का समय आ गया है। ऐसी स्थिति में भारत की नौकरशाही को एक भी पल गंवाना नहीं है, भारत की हर ब्यूरोक्रेसी से चाहे वो राज्य में हो या केंद्र में। मैं आग्रह करता हूं देश ने आपपर बुहत भरोसा किया है, उस भरोसे को कायम रखिए। आपकी सेवा में आपके निर्णयों का आधार देशहित होना चाहिए। मुझे विश्वास हैं कि आप इस कसौटी पर भी खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक दांव का बहुत महत्व होता है। लेकिन एक ब्यूरोक्रेट के तौर पर एक सरकारी कर्मचारी के तौर पर आपको हर निर्णय में सवालों का जरूर ध्यान रखना होगा। जो राजनीतिक दल सत्ता में आया है वो देश के टैक्सपेयर्स का पैसा कहां इस्तेमाल कर रहा है, उसका ध्यान आपको रखना ही होगा। वो राजनीतिक दल अपना वोट बैंक बनाने के लिए सरकारी धन लुटा रहा है, या सभी का जीवन आसान बनाने के लिए काम कर रहा है, वो राजनीतिक दल पैसे से प्रचार कर रहा है। ये देखना होगा। सरदार पटेल जिस ब्यूरोक्रेसी को स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया कहते थे, उसे पूरा करना है, ब्यूरोक्रेसी से चूक हुई तो देश का धन लुट जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि आज की सरकार की प्राथमिकता है वंचितों को वरीयता। आज की सरकार देश के सीमावर्ती गांवों को आखिरी गांव न मानकर उन्हें फर्स्ट विलेज मानते हुए काम कर रही है। हमें इससे भी अधिक मेहनत की और स्थायी समाधान की जरूरत होगी। पीएम मोदीबीते साल 15 अगस्त को मैंने पंच प्रण लक्ष्य का जिक्र किया है। पंच प्रण की प्रेरणा से जो ऊर्जा निकलेगी वो हमारे देश को वो ऊंचाई देगी, जिसका वो हमेशा हकदार रहा है। मुझे देखकर ये अच्छा लगा कि आप सभी ने सिविल सेवा दिवस थीम को विकसित भारत रखी है। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 के मुकाबले आज देश में 10 गुना ज्यादा तेजी से रेल लाइनों का इलेक्ट्रिफिकेशन हो रहा है। 2014 के मुकाबले आज देश में दोगुनी रफ्तार से नेशल हाइवे का निर्माण हो रहा है। 2014 के मुकाबले आज देश में एयरपोर्ट की संख्या भी दोगुना से ज्यादा हो गए हैं। आज यहां जो पुरस्कार दिए गए हैं जो देश की सफलता में आपकी इसी भागीदारी को प्रमाण करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे पास समय कम है लेकिन सामर्थ भरपूर है, पीएम मोदी ने कहा कि ये ऐसा समय है जब देश ने अपनी आजादी का 75 साल पूरे किए हैं। देश ने अगले 25 वर्षों के लिए लक्ष्य प्राप्त करने के लिए तेजी से कदम बढ़ाना शुरू किया है। आजादी के अमृतकाल में युवा अधिकारियों की भूमिका अधिक है जो अगले 15–20 साल इस सेवा में रहने वाले। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उ.प्र. के आईएएस अधिकारी व रामपुर के डीएम रविन्द्र कुमार मंदर और चित्रकूट के जिलाधिकारी अभिषेक आनंद को प्रधानमंत्री अवार्ड से सम्मानित किया।

मीलार्ड ये तो गजब हो गया...हिरासत में लिये गये उ.प्र. सरकार के दो अफसर

उच्चतम न्यायालय ने किया रिहाई का आदेश

नई दिल्ली एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर यूपी के वित्त सचिव एसएमए रिजवी और विशेष सचिव (वित्त) सरयू प्रसाद मिश्रा को 19 अप्रैल को हिरासत में लिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने, हाईकोर्ट के आदेश पर रोक भी लगा दी है। यूपी सरकार, हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई थी।

20 अप्रैल को सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से एएसजी केएम नटराज पेश हुए। उन्होंने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच को दोनों अफसरों को हिरासत में लेने की जानकारी देते हुए कहा, 'मीलॉर्ड! यह तो

बहुत अजीब आदेश है।' सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे लगाते हुए दोनों अफसरों को फौरन रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही नोटिस जारी करते हुए कहा कि अगली सुनवाई तक इलाहाबाद हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के फैसले पर स्टे जारी रहेगा। यूपी सरकार के अधिकारियों को तुरंत रिहा किया जाए। दरअसल, पूरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के 4 अप्रैल के एक आदेश से जुड़ा है। उच्च न्यायालय ने, हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों की सुविधा से संबंधित मामले पर हफ्ते भर के अंदर जवाब दायर करने को कहा था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। हाईकोर्ट ने इसे अवमानना माना।

कोर्ट ने इसपर कड़ी नाराजगी जाहिर की और कहा कि राज्य का वित्त विभाग जानबूझकर न्यायालय के फैसले को लागू नहीं कर रहा है और हीला–हवाली कर रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दोनों अफसरों को न्यायालय की अवमानना का दोषी करार देते हुए हिरासत में लेने का आदेश दिया था।

हाईकोर्ट में जस्टिस सुनीत कुमार और जस्टिस राजेंद्र कुमार (चतुर्थ) के डिवीजन बेंच ने अपने आदेश में दोनों अफसरों को अवमानना का दोषी देते हुए कहा कि कोर्ट में मौजूद शाहिद मंजर अब्बास रिजवी और सरयू प्रसाद मिश्रा को हिरासत में ले लिया। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी और वित्त विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी डॉ. प्रशांत त्रिवेदी के खिलाफ भी जमानती वारंट जारी किया था ।

योगी सरकार–माफियाराज पर वार

चुन–चुनकर माफियाओं का सफाया करेगी सरकार, 5 दर्जन गैंगस्टर्स की सूची तैयार

लोक पहल

लखनऊ। माफियाराज से त्रस्त उत्तर प्रदेश को अतीक, असमद और अशरफ के साथ ही विकास दुबे से मुक्ति मिल चुकी है लेकिन माफियाराज पर योगी सरकार का वार यहीं पर रूकने वाला नहीं है। प्रदेश की योगी सरकार विकास दुबे और अतीक–अशरफ की मौत के बाद माफियाओं के खिलाफ बड़ा अभियान चलाने जा रही है। प्रदेश की पुलिस ने 64 गैंगस्टर्स की लिस्ट तैयार की है। इनके खिलाफ जल्द ही बड़ी कार्रवाई शुरू हो

सकती है। इतना ही नहीं इन माफियाओं की 500 करोड़ रुपये की संपति कुर्क करने की योजना भी तैयार हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक इस लिस्ट में शराब माफिया से लेकर अवैध खनन, वन और पशु माफिया के अलावा शिक्षा माफिया भी शामिल हैं। सीएम योगी की मंजूरी मिलते ही इनके खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जाएगा। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार का कहना है कि प्रदेश के अपराधियों का नेटवर्क खत्म करने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया जाएगा।

इस लिस्ट में माफिया और विधायक रहे मुख्तार अंसारी, बृजेश सिंह, पश्चिमी यूपी के गैंगस्टर ऊधम सिंह, सुनील राठी, सुंदर भाटी, सुभाष ठाकुर, राजन तिवारी गुड्डू सिंह, सुधाकर सिंह बहराइच के गब्बर सिंह, बदान सिंह, अजीत चौधरी अक्कू, धर्मेंद्र किरथल, अभिषेक सिंह हनी, निहाल पासी, राजन तिवारी, सुधीर कुमार सिंह, विनोद उपाध्याय आदि का नाम शामिल है। सूची में कुछ राजनैतिक दलों से जुड़े माफियाओं के नाम भी शामिल किए गए हैं। इनमें बच्चू यादव, जुगनू वालिया, रिजवान जहीर, दिलीप मिश्रा, अनुपम दुबे, हाजी इकबाल और लल्लू यादव का नाम शामिल है। इतना ही नहीं त्रिभुवन सिंह, खान मुबारक, सलीम, सोहराब, रुस्तम, बबलू श्रीवास्तव, वलूमेश राय, कुंटू सिंह, सुभाष ठाकुर, संजीव माहेश्वरी जीवा और मुनीर जैसे माफियाओं का नाम भी लिस्ट में शामिल किया गया है।

चलेगा ट्रिपल इंजन सरकार का जादू या गर्माएंगे जनता की समस्याओं के मुद्दे

सुयश सिन्हा

शाहजहांपुर। शहर के मतदाता पहली बार अपना महापौर चुनने के लिए आतुर है। शहर की सरकार चुनने के लिए जहां एक ओर भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार का नारा देकर मतदाताओं को लुभाने का प्रयास कर रही है। वहीं सपा व कांग्रेस जनता की समस्याओं के मुद्दों को उठाकर लोगों के बीच पहुंच रहे है। हालांकि केन्द्र प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार के नारे साथ अपना पहला महापौर चुनने के लिए बेताब दिखाई दे रही है। लेकिन पार्टी अभी तक अपना प्रत्याशी घोषित नहीं कर पायी। नामांकन प्रक्रिया के पांच दिन निकल जाने के बाद भी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम जनता में भी भाजपा प्रत्याशी को लेकर असमंजस बना हुआ है। जिले से लेकर प्रदेश मुख्यालय तक चर्चाओं का बाजार गर्म है। कभी किसी का नाम आगे दिखाई देता है तो कभी कोई टिकट का दावेदार बनकर उभरकर सामने आ जाता है। भाजपा की केन्द्र की मोदी और राज्य की योगी सरकार की विकास योजनाओं के साथ नगर निगम में जीत के साथ ट्रिपल इंजन की सरकार से शहर की सूरत बदलने का दावा कर रही है। आने वाले दिनों में जब चुनाव प्रचार जोरों पर होगा तो पार्टी के स्टार प्रचारक ट्रिपल इंजन के लिए सभी दलों ने जोड़ तोड़ शुरू कर दी है। टिकट वितरण में बाजी मारते हुए समाजवादी पार्टी ने पूर्वमंत्री राममूर्ति सिंह वर्मा की पुत्रवधू व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अर्चना वर्मा पर दांव लगाया है। वहीं कांग्रेस ने हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी भी राजनैतिक दल के मेयर के प्रत्याशी ने अपना नामांकन नहीं कराया है लेकिन प्रत्याशी चयन में भारतीय जनता पार्टी काफी पिछड़ती दिखाई दे रही है। हालांकि पार्षद का और साथ ही मतदाताओं को यह आश्वस्त कर रहे हैं कि यदि भाजपा का मेयर और पार्षद चुना गया तो शहर में ट्रिपल इंजन की सरकार से विकास की गंगा बह निकलेगी। वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस शहर की टूटी सड़कों, भ्रष्टाचार, अनियोजित विकास व साफ सफाई सहित अन्य तमाम मुद्दों को गरमाने की कोशिश में है। सपा और कांग्रेस के नेता मतदाताओं को यह समझाने के लिए भी प्रयासरत है कि मेयर की जीत हार का कोई असर प्रदेश व केन्द्र सरकार पर नहीं पड़ेगा। बताया जा रहा है कि नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिये जायेंगे। हालांकि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों को उनके पार्टी का चुनाव चिन्ह ही आवंटित किया जायेगा लेकिन अन्य दलों व निर्दलीय प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित होने के बाद प्रचार अभियान जोर पकड़ेगा और शहीदों की धरा शाहजहांपुर में तमाम स्टार प्रचारकों के जुटने की भी संभावना बतायी जा रही है।

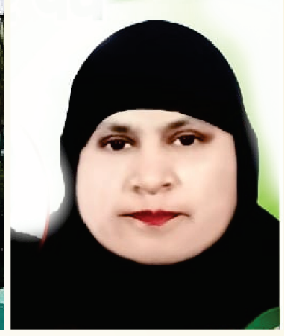

सरकार का नारा देकर मतदाताओं को रिझाते हुए नजर आएंगे।

शाहजहांपुर शहर की मेयर की कुर्सी पर कब्जा जमाने मुस्लिम कार्ड खेलते हुए नगर पालिका परिषद शाहजहांपुर के पूर्व चेयरमैन मो0 इकबाल की पत्नी निकहत इकबाल को अपना प्रत्याशी बनाया है। टिकट चाहने वाले तमाम पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकार की विकास योजनाओं का उल्लेख कर जनता के बीच पहुंचने लगे है

प्रत्याशी चयन में कांग्रेस ने मारी बाजी, भाजपा में अभी तक असमंजस

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर निकाय चुनाव में प्रत्याषी चयन के मामले में कांग्रेस बाजी मारती दिखाई दे रही है। कांग्रेस ने शाहजहांपुर नगर निगम के महापौर के बाद पुवायां, जलालाबाद के नगर पालिका प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। कटरा नगर पंचायत से भी अध्यक्ष पद का प्रत्याशी घोषित कर दिया है। वहीं भाजपा ने अब तक नगर निकाय की एक भी सीट पर प्रत्याशी नहीं उतारा है। जबकि नामांकन को चंद दिन ही शेष बचे है। कांग्रेस ने निकहत इकबाल को महापौर प्रत्याशी बनाया है। पुवायां नगरपालिका अध्यक्ष के लिए कमलकांत शुक्ला, जलालाबाद चेयरमैन के लिए आलोक शर्मा और कटरा नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए मुख्तियार अहमद मसूदी को प्रत्याशी घोषित कर दिया। तिलहर नगर पालिका के साथ ही सात नगर पंचायत से अभी कांग्रेस ने प्रत्याशी नहीं उतारा है। सपा ने भी तिलहर नगर पालिका अध्यक्ष और कटरा नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं। बसपा और भाजपा ने एक भी प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। नामांकन पत्र दाखिल करने में महज चंद दिन रह जाने के कारण टिकट के दावेदारों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने प्रत्याशियों को मौखिक रूप से तैयारी में जुटने का इशारा कर दिया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता मुन्ना ने बताया कि महापौर प्रत्याशी निकहत इकबाल 24 अप्रैल को नामांकन कराएंगी। बाकी नगर निकायों पर जल्द प्रत्याशी घोषित किए जाएंगे।

शाहजहांपुर के तिलहर में रजनी किन्नर ने ठोंकी ताल

लोक पहल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर की तिलहर नगर पालिका पालिका परिषद के वार्ड तीन से रजनी किन्नर ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं नगर निगम में पार्षद पद के लिए अब तक 17 नामांकन किए जा चुके हैं। अब तक विभिन्न निकाय के लिए 92 नामांकन हो चुके हैं।

कलक्ट्रेट में नगर निगम और कांट नगर पंचायत के लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है। इस दौरान प्रत्याशी के साथ केवल तीन लोगों को अंदर जाने दिया जा रहा है। अब तक महापौर के लिए सात पर्चे खरीदे गए। पार्षद के लिए 130 पर्चे बिके। वहीं तिलहर में अध्यक्ष पद के लिए 18 और सभासद पदों के लिए 102 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र खरीदे। इनमें अध्यक्ष पद के लिए निगोही से दो निर्दलीय प्रत्याशी अंकित और अवनीश कुमार ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। तिलहर के वार्ड संख्या तीन से रजनी किन्नर, वार्ड चार से सलीम और वार्ड पांच से राजीव सिंह और मीरानपुर कटरा वार्ड 10 से फैजल ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

उधर नगर पालिका पुवायां, नगर पंचायत खुटार और बंडा में अध्यक्ष पद के लिए कोई नामांकन दाखिल नहीं हुआ। पुवायां में सदस्य के लिए सात, खुटार में छह और बंडा में आठ पर्चे बिके। पुवायां में वार्ड सदस्य पद के लिए छह, खुटार में चार और बंडा में सात प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए।

वहीं जलालाबाद से आठ और अल्हागंज से नौ उम्मीदवारों ने सभासद पद के लिए पर्चे दाखिल किए। अध्यक्ष पद के लिए अभी तक किसी ने नामांकन दाखिल नही किया है। वहीं जलालाबाद से सभासद के 26 और अल्लागंज में 11 नामांकन पत्र खरीदे गए।

निकाय चुनाव में मिलेगा भाजपा को करारा झटका : अखिलेश

» लिखेगी 2024 के लोस चुनावों से पहले बीजेपी की पराजय की पटकथा

लोक पहल

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि आम जनता निकाय चुनावों में ही भाजपा को करारा सबक सिखाकर वर्ष 2024 लोकसभा चुनावों में भाजपा की पराजय की पटकथा लिख देगी। उन्होंने कह कि मुमंत्री योगी आदित्यनाथ स्टार प्रचारक बनकर व्यस्त है और उनका प्रशासन अपराधियों के आगे पस्त है।

अखिलेश ने कहा कि दिन दहाड़े अपराधिक घटनाएं हो रही है, पर दावा किया जाता है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ठीकठाक है। जनता भी जान गई है कि भाजपा को भ्रामक प्रचार करने में महारत हासिल है। राजधानी लखनऊ में ही जंगलराज के हालात है। कृष्णानगर में बदमाशों ने दिन दहाड़े पिस्तौल की नोक पर एक महिला की चेन लूट ली। कैसरबाग इलाके में व्यापारी से 13 लाख रुपये की लूट हो गई। एक संविदा कर्मी ने नौकरी के नाम पर युवती से वसूली की और दुष्कर्म किया। पारा के बुद्धेश्वर मंदिर पर एक बुजुर्ग की सोने की माला बदमाशों ने लूट ली। ये घटनाएं तो महज उदाहरण के लिए हैं। प्रदेश में हर दिन लूट, हत्या, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं होती हैं। पुलिस ज्यादातर मामलों में पीड़िता की मदद के बजाय अपराधी तत्वों के ही पक्ष में दबाव बनाने का काम करती है। लचर विवेचना और अभियोजन में लापरवाही से तमाम अपराधी छूट जाते हैं। भाजपा राज में कानून व्यवस्था बुरी तरह चौपट है। महिलाएं और बच्चियां असुरक्षित हैं। जनता इस सबसे ऊब चुकी है।

निकाय चुनाव की निगरानी के लिए बनाए प्रभारी

समाजवादी पार्टी ने वाराणसी नगर निगम के महापौर एवं पार्षद चुनाव के लिए पूर्व मंत्री एवं विधायक ओम प्रकाश सिंह को चुनाव प्रभारी नामित किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से प्रदेश अध्यक्ष नरेश उम पटेल ने इसकी घोषणा की। इसके अलावा भदोही के विधायक जाहिद बेग को मिर्जापुर के छानबे विधानसभा उपचुनाव की संचालन समिति क प्रभारी नामित किया गया है। वहीं पार्टी अध्यक्ष ने एडवोकेट वीरेंद्र को गाजियाबाद का महानगर अध्यक्ष बनाया है। इसी तरह नगर पालिका परिषद इटावा के लिए संचालन समिति का गठन किया गया है। जिसमें अध्यक्ष जिला पंचायत इटावा अंशुल यादव, पूर्व चेयरमैन पीसीएफ अंकुर यादव, पूर्व प्रत्याशी इटावा सर्वेश शाय, चेयरमैन नगर पालिका परिषद इटावा फुरकान अहमद, पूर्व प्राचार्य अजंट सिंह, विधायक भरथना राघवेंद्र गौतम, निवर्तमान जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी गोपाल यादव, बृजमोहन राजपूत, चंदन पाल और इदरीश अंसारी को शामिल किया गया है।

सपा ने नगर पालिका अध्यक्ष व नगर पंचायत अध्यक्ष की सूची जारी की

■ तिलहर व कटरा में असमंजस में पार्टी

लोक पहल

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी ने पालिकाध्यक्ष व नगर पंचायत अध्यक्ष के उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है लेकिन नगर पालिका तिलहर और नगर पंचायत कटरा के उम्मीदवार के नाम तय करने में पार्टी अभी असमंजस की स्थिति में है। जिला अध्यक्ष तनवीर खां ने बताया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर जनपद की सभी नगर पालिका और नगर पंचायतों के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी गई है। नगर निगम महापौर अर्चना वर्मा, नगर पालिका परिषद जलालाबाद शकील अहमद, नगर पालिका परिषद पुवायां गोपाल अग्निहोत्री, नगर पालिका तिलहर होल्ड रखी गई है। इसके अलावा नगर पंचायत अध्यक्ष खुटार मीना देवी, नगर पंचायत अध्यक्ष बंडा गौरव शुक्ला, नगर पंचायत अध्यक्ष कांट रीना बी, नगर पंचायत अल्लाहगंज स्नेहा गुप्ता, नगर पंचायत कलान सुभाष चंद्र गुप्ता, नगर पंचायत खुदागंज ताहिर अली, नगर पंचायत निगोही मनोज वर्मा, नगर पंचायत कटरा होल्ड रखा गया है। उन्होंने कहा नगरपालिका तिलहर व नगर पंचायत कटरा पर एक-दो दिन में निर्णय लिया जाएगा।

अयोध्या प्रसाद
लखनऊ

भाभी जी का चुनाव प्रेम

व्यंग्य

भाई साहब को शुरू से ही नेतागिरी और समाज सेवा का शौक था, जिसके चलते उन्होंने अपना पूरा जीवन जनता की सेवा में समर्पित कर दिया था। उनका मानना था कि अमूमन कोई भी व्यक्ति जो भी काम करता है, सिर्फ और सिर्फ नाम के लिए। चाहे वह समाज सेवा हो, साहित्य सेवा या अन्य किसी भी प्रकार की सेवा। सभी सेवाओं में नाम के उल्लेख होने पर ही उसकी पहचान उजागर होती है। नाम ही पहचान है। यही बात भाई साहब पर भी लागू होती थी।

भाई साहब पिछले दो बार से सभासदी का चुनाव लड़ रहे थे और विजयी हो रहे थे। इससे उनका हौसला और कांफिडेंस ऊंचाइयों पर थे। वे इस बार की सभासदी के भी प्रबल दावेदार थे। पिछले दो कार्यकाल में उन्होंने जनता के लिए जितना खून पसीना एक किया था, उसका ब्याज मिलने की पूरी सम्भावना थी लेकिन इस बार वार्डों की आरक्षण सूची जारी होते ही उन्हें अप्रत्याशित झटका लगा। वार्ड की सीट महिला के नाम आरक्षित हो गई थी। चुनाव लड़ने के लिए उनके अरमानों का शीशमहल भरभरा कर गिरने लगा, चेहरा कांतिहीन सा हो गया लेकिन अगले कुछ ही पलों में उनकी आंखों में चमक और चेहरे पर प्रसन्नता लौट आई। उन्होंने तय किया कि भाई साहब ना सही, भाभी जी तो हैं ना ! उन्होंने वार्ड की महिला सीट आरक्षण वाली बात पत्नी को बताई और इस बार सभासदी का चुनाव लड़ने के लिए उससे अनुरोध किया तो उसने बेरूखी प्रदर्शित करते हुए असहमति जताई–हमसे ना होगा ये समाज सेवा, नेतागिरी ! ..... जिसको ढग से जानते नहीं, पहचानते नहीं, उसके द्वारे द्वारे हाथ जोड़कर भटकना हमे नहीं भाता है। पिछली बार मुहल्ले की महिला कल्याण समिति का नामांकन किया था, दो वोट मिले थे– एक मेरा दूसरा बेटी का। .....समासदी का चुनाव तो बड़ा होता है। वैसे भी अपना वार्ड बहुत बड़ा है। आपके सभासदी के कार्यकाल में वार्ड की महिलाएं हमे देखकर वैसे ही ईर्ष्यावष नाक मुंह सिकोड़ती रहती थीं। जब तब ताने मारती रहती थीं–बड़ी नेताइन बनी फिरती है ।

बात हत्थे से निकलते देख भाई साहब हताश से होने लगे लेकिन हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने पत्नी को समझाया– तुम्हें अपने सोचने का कैनवास बड़ा करना होगा। हमें देखकर कौन क्या कहता है, इसका संज्ञान बिल्कुल भी नहीं लेना है।.... समाज सेवा करने वालों को ये सब तो सहन करना ही पड़ता है। हमें देखो, पिछले 10 साल से समाज सेवा का व्रत लिया हुआ है। अब व्रत की आदत पड़ गई है, छोड़ा नहीं जाता। अगर तुम चुनाव नहीं लड़ोगी तो वार्ड के तमाम महिलाएं नामांकन के लिए मुस्तैद बैठी हैं। समझदारी से काम लेने की जरूरत है। भावावेष में लिया गया कोई गलत निर्णय पश्चाताप का ही परिणाम देता है। सोचो, अगर एक बार सभासदी इस घर की देहरी से बाहर निकल गई तो दुबारा लाने में लोहे के चने चबाने पड़ेंगे। समाज सेवा का व्रत करते करते वैसे भी दांत अब फलाहार के आदती हो गए हैं । लोहे के चबाना इनके बस का नहीं रहा। इतने सारगर्भित उपदेशों के बाद भी पत्नी को ज्ञान प्राप्त न होता देख भाई साहब का धैर्य जवाब देने लगा और वे धीरे धीरे मूर्छावस्था को प्राप्त होने जा ही रहे थे, तभी उनके शुभचिंतकों का समूह उनके नाम का जय जय कार करते हुए आन पड़ा। सभी ने पहले तो भाई साहब के चुनाव न लड़ पाने का अफसोस जाहिर किया फिर साथ ही भाभी जी की ओर बड़ी आशा भरी निगाहों से देखते हुए एक स्वर में बड़े जोर से नारा लगाया – .. भाभीजी संघर्ष करो.......हम तुम्हारे साथ हैं..... ! भाई साहब का सारगर्भित ज्ञान भाभी जी को उतना प्रभावित नहीं कर सका जितना शुभचिंतकों का एक लाइन का नारा। उनका चुनाव प्रेम एकाएक उमड़ पड़ा। भाभी जी शुभचिंतकों का स्नेह और हौसला आफजाई देखकर अपने को रोक न सकीं और समाज सेवा के लिए अपना जीवन न्योछावर करने के लिए सहर्ष तैयार हो गईं। उनकी आंखे खुशी के आसुंओं से डबडबा गईं ।

.....और आदरणीया भाभी जी ने शुभचिंतकों का अनुरोध स्वीकार कर चुनाव लड़ने की स्वीकृति देते हुए अपने दोनों हाथ ऊपर उठाते हुए दो उंगलियों से अंग्रेजी के वी अक्षर बनाकर अपनी सहमति दे दी। भाई साहब ने ह्रदय की अतल गहराइयों से शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया।

रेखा शाह आरबी
बलिया यूपी

राजनीति का हमामखाना

हास्य व्यंग्य

सरलु भैया काफी शरीफ और सीधे–साधे नेकदिल आदमी है शराफत की गंगोत्री उन जैसे इक्का–दुक्का लोगों के मन से ही निकलती है । जिस पर भी अब लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है वैसे यह मात्र मेरा अंदेशा ही है ।

क्योंकि राजनीति और राजनीति बाजी पर विश्वास करना इस दौर में कठिन हो चला है आज के समय में यदि इंसान थोड़ा सा भी राजनीति के प्रति जागरूक है तो उसे पता है। कि एक राजनीति के नीति में सब कुछ संभव है और जहां सब संभव है वही राजनीति है । बाकी तो जो इसको तिलांजलि देकर किनारे–किनारे निकल लिए उन से पूछिए क्या–क्या ना उन पर बीती है। क्योंकि यही राजनीति की नीति है वह सीधे साधे लोगों को अपनी उठापटक की लहरों से किनारे लगाती चलती है। और जो जलेबी जैसे होते हैं उन्हें अपने गले लगाती है।

खैर भगवान भला करे हमारे सरलु भैया का जाने उन पर क्या–क्या बीतने वाली है और कैसे–कैसे तोड़फोड़ उनके सीधे सरल व्यक्तित्व में किया जाने वाला है उन्हें खरगोश से लोमड़ी बनाने मे कैसे कैसे घनघोर परिवर्तन किए जाएंगे उनका तो ईश्वर ही मालिक है। हो सकता है उनके आंख कान नाक सबका व्यवहार बदल जाय ताकि वह राजनीति के लायक बन सके क्योंकि राजनीति को तो उनके लायक बनना नहीं है।

सरलु भैया ने आज तक एक चींटी का भी दिल नहीं दुखाया है छोटे–बड़े निर्धन असहाय सबको साथ लेकर चलते हैं और इनके जरूरत के वक्त इनके काम आते हैं लेकिन राजनीति में तो इन लोगों से अपना काम निकालना पड़ता है और वह

यह काम कैसे कर पाएंगे यही समझ नहीं आ रहा। राजनीति का साथ कैसे निभाएंगे भगवान ही जाने राजनीति के ऊंची नीची पगडंडियों पर कैसे चल पाएंगे इस पर तो अच्छे–अच्छे नहीं चल पाते हैं हर पांच साल पर लड़खड़ाते रहते हैं और नहीं तो और केकड़े के समान सभी एक दूसरे के पैर खींचते रहते हैं।

भैया तो कभी राजनीति में आना ही नहीं चाहते थे लेकिन उनके अच्छे काम करने की आदत है उन्हें इस जगह पहुंचा दिया। पूरे मोहल्ले गांव वालों ने मिलकर उन्हें यह दुख दिया है और वह भी जबरदस्ती दिया है और जब एक बार आपके पीछे जनसमर्थन हो तो आप राजनीति के तरफ जाए या ना जाए राजनीति और राजनीतिज्ञ आपके पीछे–पीछे चले आते हैं ऐसी ही घटना और दुर्घटना सरलु भैया के साथ हो गई।

अब तो ईश्वर से बस इतनी प्रार्थना है हे ईश्वर सरलू भैया के खरगोश जैसे व्यक्तित्व और व्यक्ति की रक्षा करना क्योंकि उनको अपनी राजनीतिक यात्रा में शेर ,बाघ ,चीता, लोमड़ी, सियार ,अजगर, गिद्ध आदि सबसे मुलाकात होगी। सब उन्हें कच्चा चबाने एवं निगलने का प्रयास करेंगे। शाकाहारी से मांसाहारी बनाने की कोशिश करेंगे। सुना था राजनीति के हमाम में सब नंगे होते हैं सरलु भैया राजनीति के हमामखाने में तो जा रहे हैं पर उनको सब के रंग में मत रंगना क्योंकि देश को सरलुओ की बहुत जरूरत है।

लाजिम है

विकास सोनी 'ऋतुराज'

जिन बातों से दिल दुःख जाना लाजिम है।
क्या उन बातों को दोहराना लाजिम है।
वस्ल की खातिर कितना और सताओगे,
रोज सितम क्या हम पर ढाना लाजिम है।
गर कुछ पल हम साथ तुम्हारे रह लेंगे,
फिर किरदार से खुशबू आना लाजिम है।
हुस्ने बला पर शेर कहे हैं जब हमने,
गुलशन में गुल का शर्माना लाजिम है.
अपना हक माँगा है तुमसे भीख नहीं,
फेंके सिक्कों को ठुकराना लाजिम है।

आसरा बूढ़े पीपल का

डा. शिप्रा मिश्रा
पं. चम्पारण बिहार

मेरे मन –मस्तिष्क पर अनायास
छा जाने वाला वह बूढ़ा पीपल
चुपचाप दे जाता है आसरा
उन नन्हीं –नन्हीं चिड़ियों को
जिनके पर कतरने के लिए
दुनिया बावली है..
जी चाहता है, गले लग जाऊँ
उस विशाल वक्षः स्थल के और
कर जाऊँ ढेर सारी मौन प्रार्थनाएँ
उसकी लंबी उमर की
नाती –पोतों –परपोतों के साथ
जब मैं धुंधली आंखों से
टटोलती हुई, आऊँ अपने गाँव
तो दे डालूँ सारे भार
और हो जाऊँ निश्चिंत
दे जाऊँ ढेर सारी नसीहतें
'ओ बूढ़े पीपल !'
सँभालो अपनी विरासत
और कर दो हमें मुक्त..
डाल दो अपने शाश्वत संस्कार
इन नई कोपलों में
जिनकी इन्हें जरूरत है..

अहंकार

यह जिंदगी है बस दो दिनों का।
जल जल कर बुझ जाएगी।
राख बन कर खाक में मिल जाएगी।
खेल तमाशा क्या करोगे।
जीवन डोर उसके हाथ लगा है।
कठपुतली बनकर नाच लो।
या प्राणों को कोई अर्थ दो।
खेल दिखावे का बहुत हुआ।
अब तो जीवन को कोई मोड़ दो।
मुंह में राम बगल में छुरी।
मंजर कुछ ऐसा हुआ है।
डाकू बन बैठे हैं सब।
डाका बस प्रेम का हुआ है।
लाभ हानि का क्या करोगे।
बाजार में सब कुछ मोल बिका है।
पैसा अब तो सर चढ़ा है।
पैसा प्यार को तोल रहा है।
दिल दरवाजे सब बंद पड़े हैं।
ताला उसमें खूब जड़ा है।
औकात देख कर बात करते।
गरीबों का तो बस खुदा हुआ है।
हर आहट में डर छुपा है।
मुस्कुराहटों में नकाब चढ़ा है।
झूठ फरेब का रंग है पक्का।
रिश्तो से अब विश्वास घटा है।
धूं धूं करता शमशान घाट।
चिथड़ा भी आसमाँ हुआ है।
सत्य देख कर भी।
अहँकार के मद में सब चूर हुआ है।
पत्थर के घर में,
सबका दिल पत्थर हुआ है।
किसके आंचल में सर छुपाऊँ।
वह तो तारा बन चांद से सटा है।

राजश्री सिन्हा
सोफिया (बुल्गारिया)

कहे नहीं पाये

जमाने भर की बातें
उम्र भर करते रहे मुझसे
मगर है दिल में उनके क्या
वो हमसे कह नहीं पाये
कभी सपनों, कभी अपनों,
कभी जख्मों की बातें कीं
मगर अपनों में मैं भी था,
वो हमसे कह नहीं पाये
था मैं भी नेक नीयत और
उनका दिल भी दरिया था
मगर दरिये का मैं कतरा,
वो हमसे कह नहीं पाये
है कुछ अंदाज पोशीदा जो
उनका जानते थे हम
है अंदाज–ए– बयां उनका
यही, वो कह नहीं पाये
किया करते हैं वो सबसे
मुसलसल इश्क की बातें
जो हाल –ए – दिल है जानम
का वो हमसे कह नहीं पाये ..

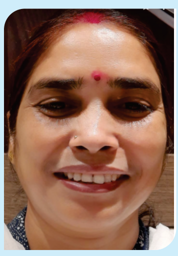

प्रणति ठाकुर, कोलकाता

भीतर का मौसम

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'

यूँ ही दर्पण के सम्मुख जा खड़े हो गए हम।
हमने आज खँगाला अपने भीतर का मौसम।
ठँगे रहा करते थे जिन पर
दिन अपने बहुरंगे।
लुप्त हो गए शनैः शनैः
वे इंद्रधनुष सतरंगे।
अब तो वही शाम आँखों को कर जाती है नम।
मैं तो शुभचिंतकों बीच
दिन–रात घिरा रहता था।
जो कुछ मैं कहता था
वह आदेश हुआ करता था।
निश्चित अवधि बीत जाने पर बदला सब घटना क्रम।
यह किसने कह दिया कि
सब कुछ होता है पैसा ही।
बोया जैसा बीज
काटना पड़ता है वैसा ही।
अब तो नहीं सुनाई देता मधुर स्वरों का सरगम।

नवगीत–मनोरथ कूप

कमल 'मानव'

सूख जाते उद्यमों के स्रोत
भर नहीं पाते मनोरथ कूप।
पढ़ रही विस्तार भौतिकता
ध्वंश वादी नीति के चश्में।
अनुभवी अनुमान के उद्वेग
खा रहे अभिमान की कसमें।
कौन है अंधा युधिष्ठिर कौन
रत्तमायी हो गए सब भूप।
भर नहीं पाते मनोरथ कूप।
कुतरते उत्साह को चूहे
दीखते हैं हर तली में छेद।
झड़ रही है सभ्यता हो धूल
फटकने स्थूल हैं मतभेद।
सत्य क्या थोथा कि वह उड़ जाय,
सार को गहते नहीं अब सूप।

भर नहीं पाते मनोरथ कूप।
भूमि भावों की खुदी गहरी
अतल में सम्वेदना का जल।
कारगर होते नहीं विस्फोट
अधीरा दुश्चिंतना हर पल।
पाप में पूरी प्रति बदली
छाँव का भी अर्थ है अब धूप।
भर नहीं पाते मनोरथ कूप।
एक कलिका सा चिटखता स्वप्न
दूर उड़ती रंग की तितली।
दे रहे दुर्गंध सड़ते लोभ
मन बुझा है आ रही मितली।
पाश बाँहों के भरे हैं क्षोभ
बहुत उच्श्रंखल समय का रूप।
भर नहीं पाते मनोरथ कूप।

/ सम्पादकीय /

कर्नाटक भाजपा में बगावत अनुशासन पर प्रश्नचिन्ह

हिमांचल प्रदेश की तरह कर्नाटक में भी चुनाव से पहले भाजपा में बगावत का दौर शुरू हो गया है। टिकट बंटवारे को लेकर नाराज तमाम पार्टी नेता पार्टी से किनारा करते जा रहे हैं। भाजपा नेताओं का यह आचरण कहीं न कहीं पार्टी अनुशासन पर एक प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। हमेशा एक अनुशासित पार्टी होने का दंभ भरने वाली भाजपा कर्नाटक में चुनाव से पहले बिखरी बिखरी नजर आ रही है। कर्नाटक में विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी में दिख रही नाराजगी कई वजहों से ध्यान खींच रही है। हालांकि अपने देश में चुनावों से पहले पार्टियों में टिकट बंटवारे को लेकर असंतोष कोई नई बात नहीं है। अक्सर यह विवाद बड़ा रूप भी लेता रहा है। लेकिन पिछले कुछ समय से, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुआई वाला दौर शुरू होने के बाद से बीजेपी में इस तरह के दृश्य दिखने लगभग बंद हो गए थे। पार्टी खुद को एक अनुशासित इकाई के रूप में पेश करती थी। उसने कई चुनावों में बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के टिकट काटने के प्रयोग भी शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल में कर दिखाया। मगर कर्नाटक में इस बार स्थितियां एकदम उलट हैं। इससे पहले हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी कुछ सीटों पर बागियों को मनाने में बीजेपी नेतृत्व को परेशानी हुई थी। तब हिमाचल की कुल 68 विधानसभा सीटों में से 21 पर बीजेपी के बागी प्रत्याशी लड़े थे। नतीजा यह कि बीजेपी बहुमत के आंकड़ों तक नहीं पहुंच पाई। जो जानकार कर्नाटक में भी ऐसा ही कुछ होने के आसार जता रहे हैं, उनका तर्क यह है कि अगर पार्टी के अंदर जीत की उम्मीद होती तो बागी प्रत्याशियों को भविष्य में सत्ता में हिस्सेदारी का आश्वासन काम आ जाता।

यह नहीं काम आ रहा, इसका मतलब है कि बीजेपी के लिए संकेत कुछ खास अच्छे नहीं हैं। कर्नाटक बीजेपी के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने तो खुलकर कह दिया कि पार्टी टिकट दे या न दे, वह चुनाव लड़ेंगे। दूसरे बड़े नेता ईश्वरप्पा ने खुद चुनाव न लड़ने की बात कही है, लेकिन उनके समर्थक अभी तक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बड़ी संख्या में पार्टी की लोकल यूनिटों से जुड़े लोगों के पार्टी से इस्तीफा देने की खबरें आ रही हैं। कहा यह भी जा रहा है कि टिकट काटने के फैसले से ज्यादा नुकसान फैसले के ढंग से हुआ है। अगर इन बड़े नेताओं को पहले से विश्वास में लिया जाता तो ये अपने समर्थकों की नजर में अपमानित नहीं महसूस करते। उस स्थिति में पार्टी का नुकसान भी कम होता। बहरहाल, चुनाव में अभी भी वक्त है। बीजेपी नेतृत्व इन असंतुष्ट नेताओं और उनके समर्थकों तक पहुंचकर उनकी बात सुन और अपनी बात उन्हें समझा सकता है। खबर है कि पार्टी नेतृत्व इस काम के लिए येदियुरप्पा का इस्तेमाल करना चाहता है। उन पर यह जिम्मेदारी डाली गई है कि वह नाराज नेताओं से बात करें, उनकी नाराजगी दूर करें। क्या येदियुरप्पा इस प्रयास में सफल होंगे या पार्टी को यहां भी हिमाचल प्रदेश की तरह बागी प्रत्याशियों की चुनौती का सामना करना पड़ेगा, इसका जवाब आने वाले दिनों में मिल जाएगा। फिलहाल कर्नाटक में भाजपा के लिए विधानसभा चुनाव में कोई अच्छे संकेत दिखाई नहीं दे रहे है। पार्टी डेमेज कंट्रोल से कितना मैनेज कर पायेगी यह तो आना वाला समय ही बतायेगा। फिलहाल कर्नाटक भाजपा चुनाव के दौरान छिन्न भिन्न अवश्य दिखाई दे रही है।

डिजिटल दौर में जरूरी है डिजिटल डिटॉक्स

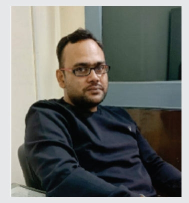

शिशिर शुक्ला
शाहजहांपुर

सोशल मीडिया एवं स्मार्टफोन की दिन प्रतिदिन बढ़ती लत बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को अपनी गिरफ्त में ले रही है। हाल ही में न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन एवं सोशल मीडिया की बढ़ती लत को डिजिटल डिटॉक्स के जरिए नियंत्रित किया जा सकता है। डिजिटल डिटॉक्स सही मायने में कहीं न कहीं स्वयं को किसी नशे की लत से दूर करने जैसी प्रक्रिया है। अगर हम आज से करीब तीन दशक पीछे चले जाएं तो उस वक्त भारत क्या, विश्व में भी स्मार्टफोन अस्तित्व में नहीं आया था। आज मानव जीवन पर बेहद बुरी तरह हावी हो चुके सोशल मीडिया की शुरुआत भी लगभग दो दशकों पूर्व ही हुई थी। निस्संदेह तकनीकी की उत्पत्ति एवं विकास मानव की बुद्धिमत्ता एवं विज्ञान के सिद्धांतों की नींव पर हुआ है। सकारात्मक दृष्टिकोण से यदि देखा जाए तो मानव को सुविधाओं से लैस करने में तकनीकी ने एक अहम भूमिका अदा की है। तकनीकी के विकास की यात्रा में एक महत्वपूर्ण दौर अथवा यूं कहें कि एक बड़ी क्रांति आज से लगभग पांच दशक पूर्व वर्ष 1969 में आई, जबकि इंटरनेट का सर्वप्रथम प्रयोग किया गया।

वर्तमान का परिदृश्य पूर्णतया बदल चुका है। जरूरत एवं सुविधा से कहीं आगे बढ़कर तकनीकी आज मनोरंजन एवं शनैःशनैः एक बुरी लत का रूप ले चुकी है। बच्चे से लेकर वृद्ध तक सभी स्मार्टफोन के माध्यम से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म– फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, लिंक्डइन, व्हाट्सएप, यू ट्यूब आदि पर लगभग चौबीस घंटे सक्रिय पाए जाते हैं। कटुसत्य यह है कि जिस सोशल मीडिया का विकास मनुष्य एवं समाज के मध्य एक सेतु के रूप में किया गया था, आज उसी सोशल मीडिया की बुरी लत लोगों को समाज क्या परिवार तक से दूर करने का कार्य कर रही है। प्रश्न यह उठता है कि आखिरकार क्या कारण है कि उपयोगिता एवं लाभ को ध्यान में रखकर विकसित की गई तकनीकी आज हमारे लिए घातक सिद्ध हो रही है। देखा जाए तो मुख्यतः इसके दो कारण हैं, पहला तो यह कि आए दिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर नए–नए फीचर विकसित हो रहे हैं जिससे लोगों की एकाग्रता एवं समय पर ग्रहण लगता जा रहा है। दूसरा यह कि हमने स्वयं सोशल मीडिया एवं स्मार्टफोन को मनोरंजन का साधन बना लिया है। यह कितनी गलत एवं चिंताजनक बात है कि हमारा जागरण एवं शयन दोनों ही स्मार्टफोन के साथ होते हैं। प्रत्येक गतिविधि चाहे वह शारीरिक हो अथवा मानसिक, वैकल्पिक रूप में स्मार्टफोन के

अंदर तलाश ली गई है। ब्लॉग, वेब सीरीज, अनावश्यक रूप से यूट्यूब चौनल, ऑनलाइन गेमिंग आदि ऐसे नशे हैं जिन्होंने बच्चों और युवाओं के समय के साथ साथ मस्तिष्क को भी पूर्णतया अपनी चपेट में ले लिया है। जहां पुराने जमाने में लघु अवधि की फीचर फिल्में मनोरंजन का साधन होती थीं, वहीं आज घंटों तक भी न खत्म होने वाली निरर्थक वेब सीरीज समाज को परोसी जा रही हैं। नतीजा यह है कि हम वास्तविक संसार से दूर हटकर कहीं न कहीं आभासी एवं निरर्थक दुनिया में खोते जा रहे हैं। 2020 में भारत के द्वारा चीनी ऐप टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाया गया था किंतु उसी वर्ष फेसबुक के वीडियो रील फीचर को वैश्विक स्तर पर लांच किया गया। कमाई के लालच में फंसकर देश का युवा फेसबुक रील बनाने के लिए अपना वह अमूल्य समय बर्बाद कर रहा है जिसका उपयोग उसे अपने शिक्षा एवं कैरियर को दिशा देने में करना चाहिए। और तो और न जाने कितने युवा रील वीडियो बनाने के चक्कर में विभिन्न तरीकों से जान से हाथ धो बैठे हैं।

कुल मिलाकर यह एक गंभीर मुद्दा है कि आखिर स्मार्टफोन एवं सोशल मीडिया की लत के इस व्यसन से कैसे मुक्ति पाई जाए। विभिन्न अध्ययनों एवं शोध के जरिए विशेषज्ञों ने यह दावा किया है कि डिजिटल डिटॉक्स इस लत को छुड़ाने का एक बेहतर तरीका हो सकता है। गौरतलब है कि डिजिटल डिटॉक्स भी प्रभावी उसी स्थिति में होगा जबकि हम स्वेच्छा के आधार पर इस आभासी दुनिया से एक नियत अवधि के लिए दूर होने का लक्ष्य बनाकर वास्तविक दुनिया में कदम रखें। यह सत्य है कि यकायक सोशल मीडिया एवं मोबाइल फोन से दूरी बनाना, वह भी लंबी अवधि के लिए, एक मुश्किल कार्य है। अतः आरंभिक प्रयास के रूप में डिजिटल डिटॉक्स को एक अल्प अवधि के लिए अपनाया जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि स्मार्टफोन एवं सोशल मीडिया दिन प्रतिदिन विकास के नए–नए स्तरों को स्पर्श करेगा। किंतु हमें यह बात स्वीकार करनी होगी कि यदि हमने इसे अपने ऊपर हावी होने दिया तो अनिद्रा, मानसिक रोग, डिप्रेशन, एंजाइटी, मूड स्विंग, हमारी प्राकृतिक क्षमताओं का ह्रास जैसी स्थितियों का सामना हमें भविष्य में करना ही पड़ेगा। आभासी दुनिया में गहराई तक खो जाने का एक दुष्परिणाम यह भी हो सकता है कि व्यक्ति अपनी पहचान को भूलकर स्वयं से ही अपरिचित हो जाए। अतः अपने आप से जुड़ने एवं अपने स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु यह नितांत आवश्यक है कि डिजिटल उपकरणों एवं सोशल मीडिया का आवश्यकता की सीमा से अधिक उपयोग कदापि न किया जाए एवं डिजिटल डिटॉक्स जैसी थेरेपी के माध्यम से नियमित अंतराल पर स्वयं को पुनर्व्यवस्थित करने का प्रयास किया जाए।

आदर्श चरित्र का प्रेरणास्रोत रामचरितमानस

डा. कनक रानी
पूर्व प्राचार्य शाहजहांपुर

क्रांतदर्शी कवि तुलसी की कालजयी कृति रामचरितमानस स्वांतःसुखाय लेखाकार हुई जिसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सर्वजनसुखाय का आधार कहना अत्युक्ति नहीं। इस लोकग्राह्य रचना में मानवीय उच्च व्यवहार शैली मुखरित है। यहां सच्चारित्र्य का मंजुल संदेश है। मानवजाति क े प्रति ही नहीं, पशु– पक्षी क े प्रति दया, करुणा, प्रेम, संवेदना, आत्मीयता की मुखर विवृति है। नीति और अनीति के मध्य संघर्ष में विजयी देवत्व है। परास्त होता हुआ अंतर्निहित दानवत्व है। मर्यादा पालनीय है, इसका अतिक्रमण करन े वाला सर्वथा दंडनीय है, एक अनुशासनात्मक शिक्षा है।

यहां वैश्विक स्तर पर आचरणीय सनातन संस्कृति के प्राणभूत तत्वों का विशद वर्णन है। नीति का प्रस्थापन है। अनीति का उन्मूलन है। भक्ति और मुक्ति की व्याख्या है। वृत्ति का उदारीकरण है। आत्मिक उन्नयन है। ज्ञान की निर्मल धारा है। न्याय की संस्थापना है। धर्म की प्रतिष्ठापना है। कर्म की प्रेरणा है। ज्ञान का आलोक है। मानवता की परिभाषा है। जीवन जीने की कला है। तुलसी मानव मूल्यों से आदर्श समाज की संकल्पना को मूर्त करना चाहते ह ैं।

राम का चरित्र अभ्युदयकारी है। वे मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। आदर्श जीवन के नायक है। जनमानस के उन्नायक हैं। लोक संस्कृति के अवबोधक हैं। राम के जीवन में भौतिक लालसा नहीं। वे राजपाट की चकाचौंध से सर्वथा निर्लिप्त हैं। अगाध पितृ भक्ति है। कर्तव्यों के प्रति गहन निष्ठा है। समग्र जीवन ही आदर्शों की अभिव्यक्ति है। आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श मित्र, आदर्श राजा, आदर्श स्वामी–प्रत्येक दृष्टिकोण से राम अनुकार्य हैं। यह राम का उदार चरित्र ही है जिसने शत्रुभ्राता विभीषण को भी शरणागत बनाया। ये चारित्रिक गुण ही राम को अनुकरणीय बनाते हैं, समाज को उत्कृष्ट दिशा दिखाने की सामर्थ्य रखते हैं।

रामचरितमानस एक आदर्श ग्रंथ है। कृत्य और अकृत्य के मध्य, न्याय और अन्याय के मध्य आदर्शों की प्राथमिकता है, नीतिविरुद्ध तत्वों की भर्त्सना है। जन–जन को पारस्परिक आचरण तथा व्यवहार के संदर्भ में पथ दर्शन की क्षमता है इसमें। यही कारण है कि आचार पक्ष की दृष्टि से रामराज्य एक मानक है। यहां भोग का नहीं, त्याग का संदेश है। विकृतियों की पराजय है, सद्भावों की प्रेरणा है। आत्मनियंत्रण है, मर्यादा उल्लंघन की वर्जना है। यहां संज्ञान में आता है कि अच्छाइयों को अपनाना और बुराइयों से सावधान रहना ही आदर्श पथ है। कविवर तुलसी इस संदर्भ में मार्गर्शित करते हैं– जहां सुमति तहं संपति नाना। जहां कुमति तहं बिपति निदाना।। सुमति अर्थात

सद्बुद्धि, सुविचार, स्वस्थ सोच। सुमति ज्ञानाधारित निर्णय हेतु आग्रह करती है। यह पथभ्रष्टता से विमुख करती है। सुमति दुर्गुणों को अस्तित्वहीन कर सकती है। यह सुफलदायिनी है। सुमति ने राम को जननायक बनाया। कुमति का प्रभाव अनिष्टकारी है। कुमति ही रावण क े अंत का कारण बनी। सुमति और कुमति पर ही वैयक्तिक–सामाजिक स्थिति आधारित है। अन्यत्र भी कहा गया है कि–काम क्रोध मद लोभ सब नाथ नरक के पंथ। कामादि मनोविकार हैं। इनका दुष्प्रभाव सर्वज्ञात है। तुलसी इनके संदर्भ में सचेत करते हैं। इनका परिणाम दुःखदायी है। कुमति ने मंथरा को षड्यंत्र की ओर प्रवृत्त किया। कामासक्ति के कारण शूर्पणखा राम और लक्ष्मण से प्रणय निवेदन कर स्वर्ण नगरी के विध्वंस का आधार बनी। सशक्त बालि का भ्राता के प्रति वैमनस्य मृत्यु का कारण बना। अन्याय और अधर्म के मार्ग पर चल कर रावण ने विनाश को आमंत्रित किया। सुविचारों के आश्रयण–नीतिनिर्दिष्ट तत्वों के अनुपालन में समाज को सकारात्मक दिशा दिखाने की क्षमता है, विकृतियों को पस्त करने की योग्यता है। अतः सद्वृत्तियों से संयुक्तता तथा कुत्सित वृत्तियों से पृथक्कता ही हित में है। यह संदेश सन्मार्ग पर बढ़ने क े लिए प्रेरित करता है। अनीति के मार्ग पर चलने वाला दंड के योग्य है। मर्यादा खंडित करने वाले त्रिभुवन विजेता रावण का संहार मानव को सचेत करता है कि सामाजिक नियमों की अवहेलना– अवमानना अनुचित है। अन्याय का पथ अमंगलकारी है, अतः इससे दूरी बनाना ही समीचीन है। तुलसी के काव्यात्मक सृजन में आदर्श चरित्रों द्वारा समाज को अनुप्राणित करने की तीव्रतम अभिलाषा दिखाई देती है।

एक पत्नीव्रती राम जनहितार्थ अपने सुख का भी त्याग करने में पीछे नहीं हटे। राम के प्रति लक्ष्मण में आदर और प्रेम की पराकाष्ठा है। लक्ष्मण ने भोग विलास से विरत हो राम की सेवा सुश्रुषा का सुपथ चुना। भरत ने राजपाठ के आकर्षण को छोड़ त्याग को वरीयता प्रदान की। शत्रुघ्न ने भी वनवास की कालावधि तक विरक्ति में ही अनुकूलता देखी। सहायता हेतु सतत तत्पर भक्त हनुमान हैं। राम और वानरराज सुग्रीव ने मित्रता का इतिहास रचा। विभीषण की अटूट भक्ति और राम की अनुकम्पा उल्लेखनीय है। भीलनी शबरी में अनन्य श्रद्धा, भक्ति और समर्पण है। केवट में भक्ति और सेवा की प्रवणता है। राम तो मानवता की प्रतिमूर्ति ही हैं। निषादराज गुह के प्रति सखा का भाव है। पाषाणी अहिल्या के उद्धार में नारी के प्रति सम्मान का भाव है। गिद्धराज जटायु के प्रति कृतज्ञता है। यही सनातन संस्कृति का आदर्श है।

सद बुद्धि ही सत्कर्मों में नियुक्त–प्रवृत्त करती है। सत्कर्म ही सच्चरित्र को निरूपित करते ह ैं। निश्चय ही, ज्ञान और कर्म समाज को आदर्शोन्मुख कर सकते हैं। रामचरितमानस के उदात्त चरित्रों से प्रेरित होने पर सामाजिक सुव्यवस्था आकार ले सकती है। निस्सन्देह, आगामी पीढ़ियों को स्वस्थ समाज हस्तांतरित करने हेतु इस ग्रन्थ के आदर्शों को जीवन में संजोना श्रेयस्कारी होगा।

आर्थिक और आध्यात्मिक विकास के साथ होगा नए भारत का निर्माण: स्वामी चिन्मयानन्द

एसएस कालेज में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का समापन

लोक पहल

शाहजहाँपुर। स्वामी शुकदेवानन्द महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का समापन हो गया। समापन सत्र का शुभारम्भ पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती, मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा निदेशालय प्रयागराज के सहायक निदेशक प्रो. जय सिंह व अन्य अतिथियों ने स्वामी शुकदेवानन्द सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित व पुष्पांजलि कर किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आरके आजाद ने स्वागत भाषण दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती ने कहा कि कोविड महामारी के समय भारत ने वैक्सीन बनाकर सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे भवन्तु निरामयः के कथन को सार्थक करते हुए पूरे विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने

पर मजबूर कर दिया था और अब वासुदेव कुटुम्ब की धारणा के साथ पूरा विश्व भारत में वैश्विक व्यापार के अवसर तलाश रहा है। इस नये भारत का निर्माण आर्थिक विकास के साथ–साथ आध्यात्मिक विकास से भी होगा।

मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक प्रो. जय सिंह ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 12 फरवरी को हुई, जिसमें निवेशकों ने प्रदेश में 1.75 लाख करोड़ के निवेश को हरी झण्डी दी थी जिससे उत्तर प्रदेश के अन्दर लगभग 7 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा व उत्तर प्रदेश 'उत्तम प्रदेश' बनने की दिशा में अग्रसर होगा। मुख्य वक्ता किरोरीमल कॉलेज, दिल्ली के प्रो. पीके सूर्या ने कहा कि भारत एक उत्साहधर्मी देश है। विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने जी–20 के आर्थिक लाभों पर प्रकाश डाला। विशेष अतिथि राजकीय महाविद्यालय भदोही के असिस्टेन्ट प्रो. डॉ मनोज सिंह ने कहा कि भारत रोजगार देने वाला राष्ट्र बनने जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग अग्रवाल ने अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार पर प्रकाश डालते हुए बताया कि तीन दिवसीय संगोष्ठी में कुल 409 पंजीकरण हुए। विषय से सम्बन्धित 4 तकनीकि सत्रों में कुल 90 शोधपत्र पढ़े गये जिसमें 6 सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र विद्यार्थी वर्ग से और 4 शिक्षक व अन्य वर्ग को दिये गये हैं।

प्रथम तकनीकि सत्र में छात्रा सोनम खिलानी व सोनम गुप्ता, द्वितीय तकनीकि सत्र से श्रेया तिवारी, तृतीय तकनीकि सत्र से जीतिन सक्सेना व ईषा वर्मा एवं चतुर्थ तकनीकि सत्र से सत्यम शुक्ला को बेस्ट रिसर्च पेपर का अवार्ड दिया गया। जबकि शिक्षक व अन्य वर्ग से गलगोटिया विश्वविद्यालय, नोएडा की असिस्टेन्ट प्रो जागृति गुप्ता, जीएफ कॉलेज के वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. पुनीत कुमार श्रीवास्तव व अन्य वर्ग से आरके अग्रवाल व मोहित अग्रवाल को स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती ने सम्मानित किया। इस मौके पर सेमिनार के विशेष सहयोगी डॉ बरखा सक्सेना, डॉ पद्मजा मिश्रा, धर्मवीर सिंह, व्याख्या सक्सेना, रचना शुक्ला, अभिषेक वाजपेई व डॉ कविता भटनागर को भी सम्मानित किया गया। एसएस लॉ कॉलेज के प्राचार्य जेएस ओझा ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ आरएस सिंह, डॉ राजीव अग्रवाल, डॉ श्रवण कुमार सिंह, डॉ जगदीश कुमार, डॉ आलोक दीक्षित, डॉ विकास खुराना, डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ कमलेश गौतम समेत वाणिज्य संकाय व लॉ कॉलेज के समस्त शिक्षक व शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

प्रदेश में पत्रकारों के हितों के लिए समर्पित है उपज: सर्वेश सिंह

उपज की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक और शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

लोक पहल

शाहजहांपुर। उ.प्र. एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक एवं जनपद इकाई का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए उपज के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि पत्रकारिता समाज को आइना दिखाने का काम करती है। वर्तमान समय में हमारे जो भी साथी इस विधा से जुड़े है वे वास्तव में एक दूरूह कार्य कर रहे हैं। उपज अपने संगठन के सभी साथियों के संरक्षण और सहयोग के लिए सदैव तैयार है। उन्होंने कहा कि उपज की पूर्व में भी कई कार्यकारिणी की बैठकें शाहजहांपुर में हुई है लेकिन इस बैठक में जिस तरह से उत्साह देखने को मिला वैसा पूर्व में नहीं मिला। प्रदेश महामंत्री राधेश्याम लाल

कर्ण ने कहा कि वर्तमान में उपज ही एक मात्र ऐसा संगठन है जो संवैधानिक रूप से सभी मान्यताओं पर खरा उतरता है। समारोह को एनयूजे के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हेमंत कृष्ण, पुलिस अधीक्षक नगर सुधीर जयसवाल, संस्था के संरक्षक बलराम शर्मा, कौशलेन्द्र मिश्र, अजय अवस्थी आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से संगठन के जिलाध्यक्ष अनिल मिश्रा व सुदीप शुक्ला ने किया। आयोजन में राम मिश्रा, अरविन्द त्रिपाठी, मनोज मिश्रा, सुशील शुक्ला आदि का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान रोहित यादव, मयंक वर्मा, अभिषेक चौहान, प्रदीप तिवारी, दीपक दीक्षित, कमल सिंह, अभिषेक, रोहित पांडे, सुयश सिन्हा, दीपक साहू आदि सैकड़ों पत्रकार उपस्थित रहे।

कर्मयज्ञ संस्था के रक्तदान शिविर में 25 कर्मयोगियों ने किया रक्तदान

लोक पहल

शाहजहांपुर। सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्था कर्मयज्ञ ने आर्य समाज मंदिर परिसर में रक्तदान शिविर लगाया। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार ओंकार मनीषी ने किया।संस्थापक सदस्य अभिषेक खण्डेलवाल ने लोगों को प्रेरित किया। इसके बाद 25 रक्तदानवीरों ने शिविर में रक्तदान किया। डॉ शिवम त्यागी, छाया सक्सेना, महेंद्र त्रिपाठी, मुसाहिब, आशीष आदि मेडिकल कॉलेज स्टाफ का सहयोग रहा। शिविर में संजीव मिश्रा, अमृत लाल, संचालक राजकुमार सक्सेना, पदमहस्त दिवाकर मिश्रा, रजनीश गुप्ता, पंकज चड्ढा, लक्षिता चड्ढा, नेहा यादव सक्सेना, प्रियंका रस्तोगी, भुवनेश गुप्ता, मोहित मिढ्ढा, अजय शेखर द्विवेदी, सागर यादव मौजूद रहे। सभी का आभार संयोजक नरेंद्र मिड्ढा ने व्यक्त किया।

जिस घर में गाय होती है वहां लक्ष्मी का वास होता है : ममता यादव

भूदान दिवस एवं विनोबा गो सेवा सदन रजत जयंती समारोह का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। भारतीय संस्कृति में गाय को परिवार का अंग माना गया क्योंकि वह माँ की भूमिका अदा करती है जिस घर में गाय होगी उस घर में लक्ष्मी का वास होगा और बीमारी नहीं होगी। गाय ग्रामीण समुदाय की आर्थिक स्वाबलम्बन की रीढ़ है। उक्त विचार भूदान जयंती के अवसर पर विनोबा गो सेवा रजत जयंती समारोह की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव ने व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा विनोबा का नाम हम सबने तो सुना है रमेश भइया व विमला बहन ने उनका प्रत्यक्ष दर्शन किया है। विनोबा सेवा आश्रम समाज के लिए जो काम कर रहा है उनका नाम सदैव इतिहास में अमिट रहेगा।

विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय गौ रक्षण परिषद पंडित अजीत शर्मा ने कहा कि विनोबा गो सेवा सदन का नाम प्रदेश स्तर पर सम्मान के साथ लिया जाता है।

विनोबा गो सेवा सदन की अध्यक्षा महिला

शिरोमणि अवार्ड से सम्मानित विमला बहन ने कहा कि आश्रम में शिक्षा स्वास्थ्य, स्वाबलम्बन के साथ गो उपासना का कार्य सम्पन्न किया जिसके माध्यम से गायों का कल्याण ही नहीं क्षेत्र की महिलाओं को भी वर्मी कम्पोस्ट व जैविक खेती के माध्यम से जोड़ा है। संस्थापक रमेश भइया ने कहा कि भूदान हमें कुछ नया काम करने के लिए प्रेरित करता है। विनोबा भावे को भूदान में 45 लाख एकड़ जमीन मिलना बड़ा कार्य है। गो सेवा भी पुनीत कार्य है। इस अवसर पर अंकित मिश्रा, कमला सिंह, पंकज सिंह, अरविन्द कुमार, अजय श्रीवास्तव, अजयपाल, जेडी अग्निहोत्री, सीना शर्मा, कृष्ण पाल सिंह, अरूण सिंह, बृजेन्द्र अवस्थी, विक्रमजीत सिंह, दिनेश चन्द्र ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन निदेशक विशन कुमार ने किया। सभी का स्वागत सचिव मोहित कुमार ने किया तथा आभार अमर सिंह ने व्यक्त किया।

भौतिकी के विद्यार्थियों ने किया वेधशाला का भ्रमण

लोक पहल

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से एमएससी के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ शिशिर शुक्ला के निर्देशन में आयोजित इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) में जाकर सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक आधार पर अपना ज्ञानवर्धन किया। संस्थान के आउटरीच कार्यक्रम प्रभारी डॉ वीरेंद्र यादव ने प्रकाश प्रदूषण पर आधारित एक वीडियो फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया कि महानगरों में मानव निर्मित प्रकाश की अधिकता से प्राकृतिक अंधकार का विनाश एवं ऊर्जा की बहुत बर्बादी हो रही है। विद्यार्थियों ने सूर्य की सतह पर स्थित काले धब्बों को संस्थान के विशेष दूरदर्शी द्वारा निर्मित प्रतिबिंब के माध्यम से देखा। विद्यार्थियों को सूर्य के विभिन्न भागों के तापमान, सतह पर स्थित धब्बों के चक्र, सौर ज्वाला, संवहन धाराओं, कोरोनल मास इजेक्शन आदि घटनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम संयोजक हर्ष पाराशरी, राजनंदन सिंह राजपूत एवं सत्येंद्र कुमार सिंह के द्वारा डॉ वीरेन्द्र यादव को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नितिन शुक्ला, सुधाकर गुप्ता, डॉ प्रीती, रामलखन सहित विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

मेयर चुनावो में समाजवादी पार्टी ने साधे जातीय समीकरण, यादवो पर नहीं लगाया दांव

लोक पहल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने निकाय चुनावों में मेयर प्रत्याशियों के चयन को लेकर काफी सतर्कता बरतते हुए आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों की बिसात बिछाने की भरपूर कोशिश की है। सपा ने निकाय चुनाव के उम्मीदवारों की घोषणा में क्षेत्रीय व जातीय समीकरण को साधने के साथ ही यह संदेश देने का प्रयास किया है कि पार्टी सभी जाति व धर्म के लोगों को साथ लेकर चलने को तैयार है। पार्टी की ओर से अब तक महापौर के घोषित उम्मीदवारों में चार ब्राह्मण, दो–दो मुस्लिम, कायस्थ व दलित और एक–एक वैश्य, गुर्जर, निषाद, कुर्मी व क्षत्रिय पर दांव लगाया गया है। अयोध्या से डॉ. आशीष पांडेय को उम्मीदवार बनाकर दोहरा संदेश दिया गया है। आशीष खांटी समाजवादी व पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय के बेटे हैं। इससे पार्टी ने एक तरफ यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह नए लोगों के साथ ही पुराने समाजवादियों को भी अहमियत दे रही है। एक तरह से अयोध्या में भाजपा के हिंदुत्व कार्ड का जवाब देने की भी कोशिश की है। कानपुर में विधायक अमिताभ वाजपेयी की पत्नी वंदना वाजपेयी को उम्मीदवार बनाकर यहां के वोटबैंक में सेंध लगाने का प्रयास किया है। लखनऊ में वंदना मिश्रा को उम्मीदवार बनाकर पार्टी ने न सिर्फ जातीय समीकरण साधा है, बल्कि उच्च शिक्षित समाज को जोड़ने की कोशिश की है। मथुरा में पंडित तुलसीराम शर्मा के जरिए जातीय गणित साधने के साथ पुराने कार्यकर्ताओं को मौका देने का संदेश दिया गया है। मुस्लिम बहुल अलीगढ़ में पूर्व विधायक जमीर उल्ला खां और फिरोजाबाद में मशरूर फातिमा एवं कायस्थ बहुल वाले क्षेत्र प्रयागराज में अजय श्रीवास्तव और बरेली में संजीव सक्सेना को उम्मीदवार बनाकर यह संदेश दिया कि जहां जिसका वोटबैंक है, उसे मौका जरूर दिया जाएगा। मेरठ में विधायक अतुल प्रधान की पत्नी सीमा प्रधान को टिकट देकर गुर्जर वोट बैंक को सहेजने की कोशिश की गई है। वहीं, गोरखपुर में काजल निषाद के जरिए इस बिरादरी को एकजुट करने की कवायद की गई है। झांसी में पूर्व विधायक सतीश जतारिया और आगरा में ललिता जाटव के जरिए दलित वोटरों व पुराने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया गया है कि उन्हें किसी न किसी रूप में मौका मिलता रहेगा। शाहजहांपुर से अर्चना वर्मा के जरिए कुर्मी समाज और गाजियाबाद में नीलम गर्ग के जरिए वैश्य समाज को जोड़ने की कोशिश की गई है। पार्टी ने महापौर के 15 उम्मीदवारों में एक भी यादव को टिकट नहीं दिया है। इसके पीछे वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि नगर निगम वाले इलाकों में यादव बिरादरी की आबादी कम है। ऐसे में उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया गया है, लेकिन जिस वार्ड में उनकी आबादी है, वहां पार्षद और सभासद के दावेदार बनाए गए हैं। सपा ने मुरादाबाद से रईश उद्दीन को मेयर पद का प्रत्याशी बनाया है। पार्टी की ओर से अब तक 16 उम्मीदवारों की घोषणा की जा चुकी है।

लखनऊ महापौर सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुषमा खर्कवाल ने किया नामांकन

लोक पहल

लखनऊ। लखनऊ के महापौर की भाजपा प्रत्याशी सुषमा खर्कवाल ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस मौके पर उनके साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। उनका काफिला बड़ी धूमधाम से भाजपा कार्यालय से निकला। सुषमा 30 साल पुरानी भाजपा कार्यकर्ता हैं।
भाजपा से करीब 30 साल से जुड़ी सुषमा खर्कवाल पार्टी संगठन में कई पदों पर रह चुकी हैं। पर्वतीय ब्राह्मण समाज में जन्मीं सुषमा के बहाने पार्टी शहर में उत्तराखंड के पांच लाख से अधिक मतदाताओं को और करीब तीन लाख पूर्व सैनिकों को साधने की कोशिश की है। गढ़वाल से स्नातक सुषमा पार्टी में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भारतीय पर्वतीय महासभा की राष्ट्रीय प्रभारी, पश्चिम विधानसभा मंडल–दो की प्रभारी, अवध क्षेत्र की भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष, केंद्रीय दत्तक ग्रहण प्राधिकरण की सदस्य, महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री रही हैं। साथ ही कई अहम समितियों में वह सदस्य भी रही हैं।

मैं हिन्दू हूँ लेकिन एक समाज को डराना गलत : वरूण गांधी

लोक पहल

पीलीभीत। भाजपा सांसद वरूण गांधी ने अपनी ही पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज जिस तरीके से एक समाज को डराया जा रहा है, यह देश के लिए ठीक नहीं है। मैं डंके की चोट पर कह रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं किसी अपराधी की बात नहीं कर रहा। आम इंसान की बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमारा देश तब मजबूत होगा। जब सबको समान अधिकार मिलेंगे। जब सबको नौकरी मिलेगी।

पीलीभीत दौरे के दौरान सांसद वरुण गांधी ने बरखेड़ा ब्लॉक के ग्राम दियोहना, पैनिया रामकिशन तथा ज्यूराह कल्याणपुर में जनसंवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह उन नेताओं की तरह नहीं हैं, जो चुनाव के समय बड़े–बड़े वादे करते हैं और बाद में मुड़कर नहीं देखते। मैं हिंदू हूं, लेकिन उन नेताओं जैसा नहीं जो वोट के लिए टोपी लगाकर दूसरे धर्मस्थल पर जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरीके से एक समाज को डराया जा रहा है, वो भी गलत है।
वरुण गांधी ने कहा कि उनकी राजनीति सच्चाई, ईमानदारी और देशभक्ति पर आधारित है। वह देश को खुशहाल और मजबूत बनाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। जबकि ऐसे नेता भी मौजूद हैं, जिनकी कथनी और करनी में बहुत बड़ा फर्क है।

रेडियो अयोध्या को देगी वैश्विक पहचानः प्रो. द्विवेदी

अयोध्या रेडियो की वैश्विक सेवा का शुभारंभ

लोक पहल

अयोध्या। अयोध्या आज वैश्विक फलक पर है, पूरा विश्व इसके बारे में जानना चाहता है। जहां भी भारतवंशी हैं, उनकी अयोध्या को लेकर जिज्ञासा है। हम रेडियो के माध्यम से अयोध्या की वैश्विक पहुंच को नए स्तर पर पहुंचा सकते हैं। यह विचार भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. डॉ. संजय द्विवेदी ने अयोध्या रेडियो की वैश्विक सेवा के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान व्यक्त किए। 'वर्ल्ड वाइड रेडियो : चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर प्रेस क्लब, अयोध्या में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि रेडियो एक ऐसा माध्यम है, जिसकी पहुंच किसी भी भौगोलिक परिस्थिति में दूर दराज तक होती है। यह एक ऐसा माध्यम है, जो ना तो अपने उपयोगकर्ता से साक्षरता की मांग करता है, और ना ही भाषा ज्ञान की, इसलिए इसकी व्यापकता है।
आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजेंद्र सिंह ने कहा कि इस लोकप्रिय माध्यम से हम ज्ञान–विज्ञान को उन लोगों तक पहुंचाने में सक्षम हैं, जिन्हें इसकी आवश्यकता है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्रीरामजन्मभूमि के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने कहा कि रेडियो हमारी जीवन शैली में शामिल रहा है। इसके माध्यम से हम अपनी संस्कृति और संस्कार दोनों को आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं। फिल्म सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दुर्गेश पाठक ने अयोध्या की नई बसावट में रेडियो की प्रासंगिकता को महत्वपूर्ण बताया।
संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे दैनिक जागरण के पत्रकारिता एवं प्रबंधन संस्थान, कानपुर के निदेशक प्रो. उपेंद्र पांडेय ने कहा कि संचार के सबसे सशक्त और सुलभ माध्यम रेडियो के जरिए हम सकारात्मक जनमानस की रचना में अपनी अहम भूमिका निभाएं, ऐसा प्रयास रहना चाहिए।
कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार वीएन दास ने किया। स्वागत भाषण ज्ञान प्रकाश टेकचंदानी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विशाखा ने दिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध लोक गायक दुर्गा प्रसाद तिवारी आफत व संजीत कुमार ने लोकगीत भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में प्रो. आरके सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सूर्यनारायण सिंह, प्रदीप कुमार पाठक, रामकृष्ण वाजपेयी एवं सतपाल सिंह सचदेवा उपस्थित थे।

निकाय चुनाव : बागियों ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन, हर हाल में मनाने की कवायद शुरू

लोक पहल

लखनऊ। निकाय चुनाव में प्रथम चरण के नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रथम चरण में भाजपा को जिसका डर था वही सामने आया। भाजपा के बागी नेताओं ने कई जगहों पर नामांकन कराकर भाजपा की टेंशन बढ़ा दी है। निकाय चुनाव में किसी भी प्रकार की जोखिम से बचने के लिए भाजपा ने अब बागियों को मनाने पर फोकस कर दिया है। भाजपा से टिकट न मिलने से नाराज होकर निर्दलीय नामांकन करने वाले बागियों को मनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने बागियों को हर हाल में मनाने पर जोर देते हुए पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को सहयोग और समर्थन कराने के लिए तैयार करने के निर्देश दिए हैं।
बैठक में शामिल पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला प्रभारी व जिलाध्यक्षों व निकाय चुनाव से जुड़े पार्टी नेताओं को कहा गया है कि गया है कि बागियों को मनाने के लिए अगर किसी बड़े या प्रभावशाली नेताओं के मदद की जरूरत हो तो तत्काल प्रदेश मुख्यालय को सूचना दिया जाए। वहीं, चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं को घर–घर संपर्क व संवाद करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

निकाय चुनाव को लेकर नेताओं में भारी उत्साह

पहले चरण में 54153 नामांकन पत्र भरे गए, सबसे ज्यादा नामांकन मुरादाबाद में हुए

लोक पहल

लखनऊ। निकाय चुनाव का बिगुल बजने के साथ ही पहले चरण के लिए नामांकन का काम पूरा हो चुका है। शहर की सरकार को चुनने के लिए राजनैतिक दलों के साथ ही नेताओं में भी भारी उत्साह दिखाई दिया। महापौर, पालिकाध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष व पार्षद और वार्ड मेम्बर बनने के लिए लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। निकाय चुनाव में पहले चरण के लिए कुल 54153 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। महापौर पद के लिए 10 नगर निगमों में 142 पर्चे भरे गए हैं।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पहले चरण में महापौर पद के 142, पार्षद के 6926, नगर पालिका अध्यक्ष के लिए 1612, सदस्य के लिए 17357, नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए 4398, सदस्य के लिए 23718 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा है। सबसे ज्यादा नामांकन मुरादाबाद जिले में किए गए हैं। यहां महापौर पद के लिए 17, पार्षद के लिए 650, नगर पालिका अध्यक्ष के लिए 41, सदस्य के लिए 628, नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए 266 तथा सदस्य के लिए 1617 यानी कुल 3219 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरे। वाराणसी में 794 तथा गोरखपुर में 3005 प्रत्याशियों ने पर्चे दाखिल किए।

खून में घुलकर ब्रेन डैमेज कर सकता है अमोनिया

जिंक से भरपूर खाद्य पदार्थों का करें अधिक सेवन

कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड और शुगर की तरह खून में अमोनिया का लेवल बढ़ना भी सेहत के लिए खतरे की बात है। ब्लड में इसका लेवल बढ़ने के मेडिकल भाषा में हाइपरमोनमिया कहा जाता है। अमोनिया आपकी खून की नसों और रीढ़ की हड्डी के लिए विषैला होता है। अमोनिया को NHx के रूप में भी जाना जाता है। यह अपशिष्ट उत्पाद है जिसे आपकी आंतें तब बनाती हैं जब वे प्रोटीन को पचाती हैं। आम तौर पर इसे आपका लिवर इसे संसाधित करता है और यह पेशाब के जरिये बाहर निकल जाता है। अगर किसी वजह से लिवर इसे खत्म नहीं कर पाता है, तो यह खून में इकठ्ठा होने लगता है। ध्यान रहे कि हाइपरमोनमिया एक जानलेवा स्थिति है और इसके लिए तुरंत उपचार की जरूरत होती है। अमोनिया बढ़ने के क्या कारण हैं, इसके क्या नुकसान हैं और इसका लेवल कैसे कम किया जा सकता है। जिंक अमोनिया को कम करने में मदद कर सकता है। लिवर की बीमारी वाले लोगों में जिंक का लेवल कम होता है। इसके लिए आप जिंक से भरपूर खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन कर सकते हैं या डॉक्टर की सलाह पर जिंक सप्लीमेंट ले सकते हैं।

एनिमल प्रोटीन से बचें

अन्य प्रकार के पशु प्रोटीन की तुलना में रेड मीट प्रोटीन से आपके रक्त में अमोनिया को बढ़ाने की अधिक संभावना है। इसके बजाय आप चिकन जैसा हल्का मांस खा सकते हैं, बेहतर है कि इससे भी बचें।

अमोनिया बढ़ने के लक्षण

जब अमोनिया शरीर से बाहर नहीं निकल पाता और खून में जमा होने लगता है, तो पीड़ित को कई लक्षण महसूस हो सकते हैं जिनमें मुत: सिरदर्द होना, मतली या उल्टी, कोमा, चिड़चिड़ापन, बोलने या संभलने में परेशानी होना, व्यवहार में बदलाव, दौरे पड़ना, नींद नहीं आना।

अमोनिया लेवल बढ़ने के कारण

लीवलैंड लिनिक के अनुसार, शरीर में अमोनिया का लेवल बढ़ने का सबसे बड़ा कारण लिवर से जुड़े रोग हैं। अगर आप किसी तरह के लिवर के रोग से पीड़ित हैं, तो आपके खून में इसकी मात्रा बढ़ सकती है। इसकी वजह यह है की लिवर इसे सही तरह संसाधित नहीं कर पाता है। इसके अलावा किडनी या लिवर फेलियर होना, कुछ जेनेटिक कारण और खाने-पीने की कुछ चीजें जैसे प्याज, सोयाबीन, आलू के चिप्स सलामी और मखन में इसकी मात्रा अधिक पाई जाती है।

खाने में प्रोबायोटिस करें शामिल

प्रोबायोटिस फायदेमंद बैटीरिया होते हैं जो आपको खाद्य पदार्थों को पचाने में मदद करते हैं और आपको बीमारी से बचाते हैं। ये बैटीरिया आपके आंत को अधिक प्रभावी ढंग से अमोनिया को पचाने और खत्म करने में मदद कर सकते हैं। आप किण्वित डेयरी उत्पाद जैसे केफिर साउरक्राट आदि का सेवन कर सकते। रोजाना दही खाने की कोशिश करें योंकि दही में प्रोबायोटिस अधिक होता है।

प्लांट बेस्ड फूड का सेवन करें

बीन्स और दाल का प्रोटीन एनिमल प्रोटीन की तुलना में अधिक धीरे-धीरे पचता है। यही वजह है कि आपके शरीर के पास पचने के दौरान निर्मित अमोनिया का निपटान करने के लिए अधिक समय होता है।

देखो हँस मत देना

मैडम ास का ग्रूप फोटो बच्चों को दिखाकर बोलीं- जब तुम बड़े हो जाओगे तो इस फोटो को देखकर कहोगे। ये रहा राजू जो अमेरिका चला गया, ये रहा रवि जो लंदन चला गया, और ये रहा रलदू जो यहीं का यही रह गया, ये बात सुनकर रलदू बोला- और ये रही हमारी मैडम जिनका देहांत हो गया, ठोको ताली।

अध्यापिका ने एक बच्चे से सवाल किया बताओ 15 अगस्त को हमें या मिली थी? छात्र-मेडम छोटे से कटोरे मे जरा सी बूंदी।

मैडम बच्चे से- तेरी कॉपी और पेन कहां है.. बच्चा- मेम जबसे आपको देखा, या कॉपी और या पेन, तेरे मस्त-मस्त दो नैन, मेरे दिल का ले गये चैन, खो गई कॉपी, गुम गया पेन!

टीचर- मैं जो पूछूं उसका जवाब फटाफट देना, संजू- जी सर, टीचर- भारत की राजधानी बताओ? संजू- फटाफट, टीचर अभी तक संजू को पीट रहा है।

एक बार भूगोल की टीचर ने बच्चों से पूछा - गंगा कहां से निकलती है और कहां जाकर मिलती है..एक बच्चे ने खड़े होकर कहा - मैडम गंगा घर से निकलती है और स्कूल के पीछे जाकर कालू से मिलती है।

कहानी: भूखा राजा और गरीब किसान

एक राजा अपने राज्य में रात को अपना रूप बदलकर घूमता था। लोगों से मिलकर अपने यानी राजा के बारे में जानने की कोशिश करता और उनकी समस्याओं को समझता था। एक रात अचानक जोर से बारिश होने लगी। उसने देर किए बिना एक गरीब के घर का दरवाजा खटखटाया। राजा के दरवाजा खटखटाने के बाद घर से एक व्यक्ति निकला। वह एक गरीब किसान था, जो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। बारिश तेज थी, तो किसान ने राजा को अंदर आने के लिए कहा। राजा ने घर में जाने के बाद पूछा, 'या आप मुझे कुछ खिला सकते हैं। मुझे बहुत तेज भूख लगी है।' वो गरीब किसान और उसका परिवार 3 दिनों से भूखा था और उसके घर में एक भी दाना अन्न का नहीं था। किसान के मन में हुआ कि भले ही हम भूखे हैं, लेकिन अपने अतिथि को यूं भूखा नहीं रख सकते। अब किसान ये सोचकर बेचैन हो गया कि अपने अतिथि का पेट कैसे भरा जाए, तभी उसने घर के सामने वाली दुकान से चावल चुराने की तरकीब सोची। उसने सिर्फ अतिथि के लिए ही दो मुट्ठी चावल लिया और उसे पकाकर राजा को खिला दिया। तब तक बारिश रुक गई थी और राजा अपने घर चला गया। दूसरे दिन दुकान का मालिक अनाज की चोरी की शिकायत लेकर राजा के पास पहुंचा। राजा ने दुकान के मालिक और उस गरीब किसान को अपनी सभा में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। सबसे पहले सभा में पहुंचे किसान ने राजा के सामने जाकर अपनी चोरी का इल्जाम कबूल कर लिया। किसान राजा से कहता है कि मैंने चोरी की, लेकिन मेरे परिवार ने उस अनाज का एक निवाला भी नहीं खाया। गरीब किसान की बातें सुनकर राजा बहुत दुखी हुआ और उसने किसान को बताया कि अतिथि के रूप में मैं स्वयं तुारे घर आया था। इसके बाद राजा ने सभा में पहुंचे दुकानदार से पूछा कि या आपने अपने पड़ोसी को चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार ने जवाब दिया कि हां मैंने इसे रात में चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार की बात सुनने के बाद राजा कहता है कि इस चोरी के लिए मैं पहले जिदार हूं और फिर दूसरा तुम हो, योंकि तुमने अपने पड़ोसी को अनाज की चोरी करते हुए देखा। मगर कभी उसके भूखे परिवार को नहीं देखा। तुम अपने पड़ोसी होने का धर्म बिल्कुल निभा नहीं पाए। इतना कहने के बाद राजा ने दुकानदार को सभा से जाने के लिए कह दिया और किसान की अथिति निष्ठा भाव को देखकर उसे एक हजार सोने के सि इनाम के रूप में दे दिया।

7 अंतर खोजें

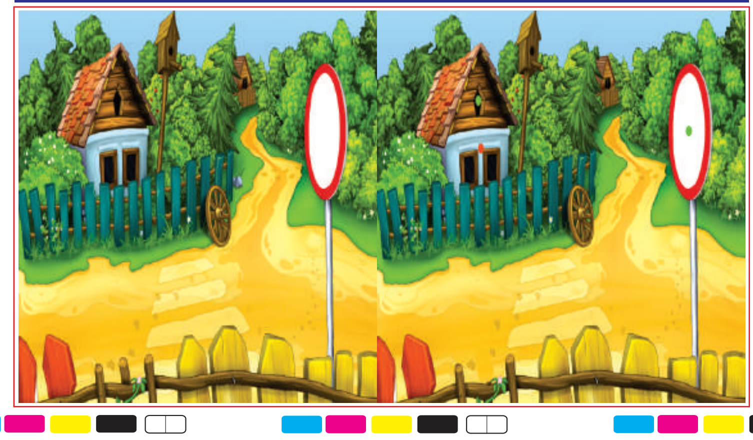

जानिए कैसा रहेगा यह सप्ताह

मेष — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ — पारिवारिक चिंता बनी रहेगी अनहोनी की आशंका रहेगी शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन — प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवन साथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क — नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

सिंह — पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें।

कन्या — पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक — शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा।

धनु — यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर — कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कु — नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

मीन — पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय

नैक बी+

मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर

प्रवेश का स्वर्णिम अवसर

विधि स्नातक पाठ्यक्रम

LL.B. पंचवर्षीय (12वीं उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

LL.B. त्रिवर्षीय (स्नातक आदि उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

विधि स्नातकोत्तर (पी.जी.) पाठ्यक्रम

LL.M. द्विवर्षीय (विधि स्नातक उत्तीर्ण छात्र)

विधि 100 प्रतिशत रोजगार युक्त पाठ्यक्रम है। योग्य और अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा नियमित कक्षाओं का संचालन।

विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु नामांकन के लिए प्रत्येक कार्य दिवस पर प्रातः 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक महाविद्यालय कार्यालय में सम्पर्क करें।

विधि पाठ्यक्रमों में स्थान सीमित होने के कारण प्रवेशार्थियों को चाहिए कि वे यथाशीघ्र प्रवेश प्राप्त करें।

विस्तृत जानकारी हेतु महाविद्यालय के सम्पर्क सूत्र -

05842-796171, 796174, 9559913013, 9453721669
9005182809, 7007902156, 9473938629, 9415703943

शीघ्रता करें - स्थान सीमित

(विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के लिए किसी प्रवेश परीक्षा की आवश्यकता नहीं, सीधे प्रवेश प्रारम्भ)

प्राचार्य: स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय, शाहजहाँपुर

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहाँपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहाँपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहाँपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहाँपुर होगा।